

26 जून 2022 : PIB विश्लेषण**विषयसूची:**

1. वर्ष 2022 का संयुक्त राष्ट्र महासागर सम्मेलन:
2. प्रधानमंत्री की जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान अर्जेंटीना के राष्ट्रपति से भेंट:

1. वर्ष 2022 का संयुक्त राष्ट्र महासागर सम्मेलन:**सामान्य अध्ययन: 2****अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध:****विषय: भारत के हितों पर विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय वित्त संगठनों एवं विकसित और विकासशील देशों की नीतियां और राजनीति का प्रभाव।****प्रारंभिक परीक्षा: संयुक्त राष्ट्र महासागर सम्मेलन।****मुख्य परीक्षा: भारत ने सतत् विकास लक्ष्य (एसडीजी) संकेतकों की कार्यप्रणाली और डेटा अंतराल को कम करने के लिए संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों और अनुसंधान संस्थानों के साथ साझेदारी की है और अब स्वच्छ, स्वस्थ, उत्पादक और भविष्य में सुरक्षित और सुलभ महासागरों हेतु सतत् विकास, 2021-2030 के लिए संयुक्त राष्ट्र महासागर विज्ञान के दशक की दिशा में काम कर रहा है। इस भागीदारी के भारत पर पड़ने वाले प्रभावों पर टिपण्णी कीजिए।****प्रसंग:**

- पुर्तगाल के लिस्बन में 27 जून से 5 दिवसीय संयुक्त राष्ट्र महासागर सम्मेलन शुरू हो रहा है।

उद्देश्य:

- 27 जून से 1 जुलाई, 2022 तक लिस्बन में आयोजित हो रहे इस संयुक्त राष्ट्र महासागर सम्मेलन में 130 से अधिक देश भाग ले रहे हैं।

- केंद्रीय मंत्री, डॉ. जितेंद्र सिंह ने भारतीय प्रतिनिधियों और दूतावास के अधिकारियों के साथ भारतीय पक्ष की तैयारी का आकलन करने और विभिन्न सम्भावित मुद्दों पर भारतीय प्रतिनिधिमंडल के रुख पर विचार-विमर्श करने के लिए एक बैठक की।

विवरण:

- केन्या और पुर्तगाल की सरकारों द्वारा सह-आयोजित यह महासागर सम्मेलन एक ऐसे महत्वपूर्ण समय में हो रहा है जब दुनिया ऐसी पुरानी समस्याओं को दूर करने की कोशिश कर रही है, जो कि कोविड-19 महामारी के माध्यम से सामने आई हैं।
- इसके लिए बड़े संरचनात्मक परिवर्तनों और सामान्य साझा समाधानों की आवश्यकता होगी जो एसडीजी (सतत् विकास लक्ष्यों) में ही निहित हैं।
- भारत "हमारे महासागर को बचाओ और भविष्य की रक्षा" के लिए वैश्विक महासागर कार्रवाई का एक नया अध्याय शुरू करने के उद्देश्य से विज्ञान-आधारित नवीन समाधानों पर बात करेगा।
- भारत विचार-विमर्श में सक्रिय रूप से भाग लेगा और समुद्री प्रदूषण, टिकाऊ महासागर आधारित अर्थव्यवस्थाओं को बढ़ावा देने, समुद्री और तटीय पारिस्थितिक तंत्र के प्रबंधन, संरक्षण, संरक्षण और पुनर्स्थापित करने, समुद्र के अम्लीकरण, डीऑक्सीजनेशन के प्रबंधन के साथ ही समुद्र के गर्म होने तथा मत्स्य पालन को टिकाऊ बनाने जैसे मुद्दों पर सुझाव देगा।
- भारत साझेदारी और पर्यावरण के अनुकूल समाधानों के माध्यम से लक्ष्य 14 के कार्यान्वयन के लिए विज्ञान और नवाचार आधारित समाधान प्रदान करेगा।
- भारत ने सतत् विकास लक्ष्य (एसडीजी) संकेतकों पर कार्यप्रणाली और डेटा अंतराल को कम करने के लिए संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों और अनुसंधान संस्थानों के साथ साझेदारी की है और अब वह स्वच्छ, स्वस्थ, उत्पादक और भविष्य में सुरक्षित और सुलभ महासागरों हेतु सतत् विकास, 2021-2030 के लिए संयुक्त राष्ट्र महासागर विज्ञान के दशक की दिशा में काम कर रहा है।

- महासागरों और उसके संसाधनों को बचाने के लिए भारत की गहरी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए उन्होंने कहा कि "प्लास्टिक के कारण होने वाला प्रदूषण पुडुचेरी के समुद्री तट पर भी बढ़ रहा था, इसलिए, अपने समुद्र, समुद्र तटों और पारिस्थितिकी को बचाने के लिए यहां के लोगों ने 'जीवन के लिए पुनर्चक्रण (रिसाइविलिंग फॉर लाइफ)' अभियान शुरू किया है।
 - आज पुडुचेरी के कराईकल में हजारों किलोग्राम कचरा प्रतिदिन एकत्र किया करने के बाद अलग किया जाता है।
- सम्मेलन में विचार-विमर्श के अंत में सर्वसम्मति से लक्ष्य 14 के कार्यान्वयन के लिए विज्ञान-आधारित कार्रवाई के अभिनव क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, एक संक्षिप्त, संक्षिप्त, कार्रवाई-उन्मुख और अंतर-सरकारी रूप से सहमत घोषणा और परस्पर विचार विमर्श (इंटरैक्टिव) के बाद सह-अध्यक्षों के सारांश वाली एक रिपोर्ट को अपनाया जाएगा।

प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा की दृष्टि से कुछ महत्वपूर्ण तथ्य:

1. प्रधानमंत्री की जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान अर्जेंटीना के राष्ट्रपति से भेंट:

- प्रधानमंत्री मोदी ने जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान 26 जून, 2022 को म्यूनिख में अर्जेंटीना के राष्ट्रपति अलबर्टो फर्नांडीज से भेंट की।
- दोनों शासनाध्यक्षों के बीच यह पहली द्विपक्षीय मुलाकात थी।
- दोनों शासनाध्यक्षों ने वर्ष 2019 में स्थापित द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी के कार्यान्वयन की प्रगति की समीक्षा की।
- दोनों के बीच विभिन्न विषयों जैसे व्यापार और निवेश; दक्षिण-दक्षिण सहयोग, खासतौर से फार्मा सेक्टर में; जलवायु परिवर्तन, नवीकरणीय ऊर्जा, नाभिकीय औषधि, बैटरी चालित

वाहन, रक्षा सहयोग, कृषि और खाद्य सुरक्षा; पारंपरिक औषधि, सांस्कृतिक सहयोग के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं में समन्वय पर चर्चा हुई।

- इन सभी क्षेत्रों में आपसी संबंधों को बढ़ाने पर दोनों पक्षों ने सहमति व्यक्त की।

